रा. मध्य विध्यालय,कुटुम्बा औरंगाबाद

चंद्रशेखर प्रसाद साहू (8092131203)

प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चो को स्वर वर्णों से बने शब्दों से नवाचार के माध्यम से परिचित कराना

यह विद्यालय कुटुंबा प्रखंड के औरंगाबाद जिला में अवस्थित है। इस विद्यालय की स्थापना वर्ष - 1880 है। शैक्षणिक वर्ष 2022- 23 में इस विद्यालय में 205 बालक और 305 बालिका नामांकित हैं। विद्यार्थियों का कुल नामांकन 510 है। यहाँ प्रधानाध्यापक सहित 11 शिक्षक- शिक्षिकाएँ कार्यरत हैं। यहाँ एक शिक्षा सेवक और 4 रसोइया भी कार्यरत हैं। विद्यालय परिसर में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कुटुंबा भी अवस्थित है। यहाँ का शैक्षणिक क्रियाकलाप उत्कृष्ट है। यहाँ का बाल- संसद और मीना मंच सक्रिय है। यहाँ एक सुव्यवस्थित पुस्तकालय है। यहाँ शिक्षण- अधिगम प्रक्रिया में गणित व विज्ञान के विभिन्न मॉडल और शिक्षण- अधिगम सामग्रियों का उपयोग किया जाता है।

प्रारंभिक कक्षाओं में कुछ बच्चे स्वर वर्णों से बने शब्दों से ज्यादा परिचित नहीं होते हैं जिसके लिय यहाँ नवाचार के द्वारा प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चो को स्वर वर्णों से बने शब्दों से परिचित करवाया जाता है

लक्ष्य समूह

कक्षा 1 से 3 तक के विद्यार्थी

उद्देश्य

1. स्वर वर्णों से बने अनेक शब्दों की पहचान करना और बोलकर पढ़ना
2. ध्वनि जागरूकता और अक्षरों/शब्दों को बोलकर पढ़ना

समस्या समाधान हेतु क्रियाकलाप / गतिविधि-

1. स्वर वर्ण से बने अनेक शब्दों की सूची चक्रनुमा खाने में बनाई गई । इसके अंतर्गत सभी स्वर वर्णों (अ से लेकर अ: तक) से दर्जनों शब्दों को कार्डबोर्ड पर आकर्षक तरीके से लिखा गया ।

शब्द लिखे हुए कार्डबोर्ड को कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों के सामने रखा गया। बच्चों को गोल समूह में बैठाकर ऐसे कार्डबोर्ड उन्हें दिखाए गए। पहले बच्चों को उन चक्रों में लिखे अक्षर/शब्द को पहचान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। पहचान करने में समस्या आने पर अन्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उनकी सहायता की। लक्ष्य समूह के सभी बच्चों को बारी- बारी से स्वर वर्णों से बने शब्दों की पहचान कराई गई और बोलकर पढ़ने का अवसर दिया गया

बुनियादी साक्षरता
एवं संख्या ज्ञान
अ
अब
अमरूद
अजगर
अनार

बुनियादी साक्षरता
एवं संख्या ज्ञान
आ
आगरा
आवाज
आम
आग
आलस
आज
आसमान

बुनियादी साक्षरता
एवं संख्या ज्ञान
इ
इनाम
इमली

बुनियादी साक्षरता
एवं
संख्या ज्ञान
ई
ईश्वर
ईख
ईमान

बुनियादी साक्षरता
संख्या ज्ञान
उ
उपहार
उजाला
उल्लू

बुनियादी
साक्षरता एवं
संख्या ज्ञान
ऊ
ऊदबिलाव
ऊर्जा
ऊन
ऊपर

बुनियादी
साक्षरता एवं
संख्या ज्ञान
ए
एकल
एक
एकता
एड़ी

बुनियादी
साक्षरता एवं
संख्या ज्ञान
ऐ
ऐरावत
ऐंठना
ऐनक

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान
ओ
ओल
ओठ

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान
औ
औलाद
औजार
औरत
औषधि

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान
अ
अंगूर
अंग
अंगुल
अंक
अंजलि

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान
ऋण
ऋ
ऋतु
अ

31

2. क्रियाकलाप / गतिविधि –

ध्वनि जागरूकता और अक्षर/शब्द की पहचान के लिए बच्चों से बातचीत कर कई शब्द श्यामपट्ट पर लिखे गए।
प्रत्येक अक्षर पर ताली बजाकर उस अक्षर का उच्चारण कराया गया।
अक्षर पहचान करने और ताली बजाते हुए उच्चारण करने में बच्चों को खूब मज़ा आया।

बच्चे बारी - बारी से श्यामपट्ट के पास आए और प्रत्येक अक्षर पर ताली बजाकर उन शब्दों को बोलकर पढ़ा।

आकलन -

इस क्रियाकलाप/ गतिविधि के क्रियान्वयन के बाद लक्ष्य-समूह के बच्चों का आकलन किया गया। उन्हें स्वर वर्ण से बने शब्दों को बताने के लिए कहा गया। बच्चों ने ऐसे कई शब्द बताए। अब बच्चे स्वर वर्ण से बने शब्दों से ज्यादा परिचित थे।अब उनके पास शब्द भंडार अधिक थे।

परिणाम/ निष्कर्ष -

1. ऐसी गतिविधियों से बच्चे मज़े लेकर सीखते हैं । स्वर वर्णों के कई शब्दों से बच्चे परिचित हुए। उनके शब्द भंडार में वृद्धि हुई।
2. इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों को अक्षर/शब्द पहचानने और उच्चारण करने में खूब मज़ा आया। ऐसी गतिविधियों में बच्चे स्वयं भाग लेते हैं और आसानी से सीखते हैं।

<u>सामान्यीकरण -</u>

1. स्वर वर्णों से अनेक शब्दों की सूची चक्रनुमा खाने में बनाकर और बच्चों से उसे पहचान करवा कर रोचक तरीके से उनके शब्द भंडार में वृद्धि की जा सकती है।

2. बच्चों से बातचीत कर , कुछ शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर , अक्षर/शब्दों की पहचान कर और ताली बजाते हुए बोलकर पढने में बच्चों को खूब मज़ा आता है ।